



देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 05

अंक – 58

जौनपुर, मंगलवार, 13 अक्टूबर 2026

सान्ध्य दैनिक (संस्करण)

पेज – 4

मूल्य – 2 रुपये

संक्षिप्त खबरें

रांका-सौरव दास की हिरासत पर बोले अभिजीत दिपके

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोंकरोच जनता पार्टी (श्चर) के कार्यकर्ता अभिजीत दिपके ने 13 अक्टूबर को दिल्ली में अपने साथियों को हिरासत में लिए जाने के बाद सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि जो लोग जंतर-मंतर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने को गैर-कानूनी मानते हैं, वे देशद्रोही हैं। दिपके की यह टिप्पणी दिल्ली पुलिस द्वारा पार्टी के सदस्यों आशुतोष रांका, सौरव दास और अजिंक्य शिंदे को हिरासत में लिए जाने के बाद आई, जो उस सुबह विरोध स्थल पर जमा हुए थे। उन्होंने पुलिस की कार्रवाई की कानूनी और नैतिक वैधता पर सवाल उठाते हुए कहा कि तिरंगा फहराना कब से कानून का उल्लंघन हो गया? जो कोई भी जंतर-मंतर पर तिरंगा फहराने को उल्लंघन मानता है, वह देशद्रोही है। और अगर सौरव दास, आशुतोष रांका, अजिंक्य शिंदे और तिरंगा फहराने के लिए गिरफ्तार किए गए अन्य लोगों पर आरोप लगाए जाते हैं, तो इसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। तिरंगा फहराने के लिए आप किसी को कैसे गिरफ्तार कर सकते हैं? यह कैसा देश है? यह कैसा शासन है? हिरासत की स्थितियों को लेकर चिंताओं पर बात करते हुए, दिपके ने गिरफ्तार लोगों को कानूनी अधिकार न देने के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि पूरा देश जंतर-मंतर बन जाएगा। जंतर-मंतर सिर्फ एक जगह नहीं हैय यह विरोध की भावना है। हमें उम्मीद है कि दिल्ली पुलिस उन्हें अपने वकीलों से बात करने देगी।

प्रदर्शनों के लिए बने सख्त एसओपी, ट्रैफिक जाम रोकने की मांग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एक वकील ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर कर सार्वजनिक विरोध-प्रदर्शनों से जुड़े मौजूदा नियमों को सख्ती से लागू करने और एक समान स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर बनाने की मांग की है। इसका मकसद राष्ट्रीय राजधानी में प्रदर्शनों के कारण सड़कों पर रुकावट, ट्रैफिक में बाधा और अदालतों व व्यावसायिक इलाकों तक पहुँचने में होने वाली दिक्कतों को रोकना है। जनहित याचिका में वकील ऋषभ सक्सेना ने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देश देने की मांग की है कि विरोध-प्रदर्शन कानून के मुताबिक तय जगहों पर ही हों। साथ ही, शांतिपूर्ण तरीके से इकट्ठा होने के संवैधानिक अधिकार और लोगों के बिना रुकावट आने-जाने के अधिकार के बीच संतुलन बनाए रखा जाए। याचिका में मजदूर किसान शक्ति संगठन बनाम भारत सरकार और अमित साहनी बनाम पुलिस कमिश्नर मामलों में सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के साथ-साथ दिल्ली पुलिस के उस स्टैंडिंग ऑर्डर को भी लागू करने की मांग की गई है, जिसमें प्रदर्शन करने के लिए शर्तें तय की गई हैं। याचिकाकर्ता ने मौजूदा नियमों की समीक्षा की भी मांग की है ताकि दिल्ली पुलिस द्वारा हाल ही में तय की गई ।

नारी के सम्मान-स्वामिमान के लिए समर्पित है सरकार, योगी बोले- 2017 से पहले सुरक्षा पर लगा था ग्रहण

लखनऊ, (संवाददाता)। शारदीय नवरात्र की तृतीया पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने मां चंद्रघंटा के स्वरूप की आराधना की। इस अवसर पर उन्होंने नारी शक्ति के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तीकरण को समृद्ध समाज का आधार बताया। एकस पर पोस्ट करके सीएम ने कहा कि डबल इंजन सरकार की हर पहल महिलाओं के सम्मान, स्वामिमान और गरिमापूर्ण जीवन के लिए समर्पित है। सीएम ने कहा कि मां चंद्रघंटा का दिव्य स्वरूप नारी शक्ति के तेज, गरिमा और अदम्य साहस का प्रतीक है। यह संदेश देता है कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वामिमान ही सशक्त एवं समृद्ध समाज की नींव है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार



सुशासन के माध्यम से नारी सशक्तीकरण के लिए विभिन्न प्रयास कर रही है। सीएम ने वर्ष 2017 से पहले की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय प्रदेश में अराजकता के कारण महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान प्रभावित थे। उनके अनुसार, माताओं और बहनों के सशक्तीकरण के

बजाय तत्कालीन सत्ताधीशों के परिवारों का सशक्तीकरण प्राथमिकता में था। सीएम ने कहा कि सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बेटियों की शिक्षा, महिलाओं की सुरक्षा और उनके आर्थिक व सामाजिक सशक्तीकरण की दिशा में काम कर रही है। श्वेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के

जरिए बेटियों के अस्तित्व की रक्षा और शिक्षा के प्रति जागरूकता को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के माध्यम से विवाह को गरिमापूर्ण आधार देने का प्रयास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से मातृत्व को सहारा मिल रहा है, जबकि उज्ज्वला योजना के जरिए महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि इज्जत घर के माध्यम से महिलाओं की गरिमा और सम्मान की रक्षा, घरौनी के जरिये संपत्ति का अधिकार तथा 60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को आजीवन निशुल्क बस यात्रा की सुविधा देने जैसे कदम भी महिला सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण हैं।

राष्ट्रपति मुर्मु ने छह राज्यों के राज्यपालों की नई नियुक्तियों और स्थानांतरण को दी हरी झंडी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विभिन्न राज्यों के राज्यपालों की नियुक्ति और स्थानांतरण को मंजूरी दे दी है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार चार नए राज्यपाल नियुक्त किए गए हैं, जबकि दो मौजूदा राज्यपालों का स्थानांतरण किया गया है। ये नियुक्तियां संबंधित पदों का कार्यभार संभालने की तिथि से प्रभावी होंगी। ओम प्रकाश माथुर, जो वर्तमान में सिक्किम के राज्यपाल हैं, को केरल का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वहीं, केरल के मौजूदा राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को तमिलनाडु का राज्यपाल बनाया गया है। हरियाणा की वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. सुधा यादव को कर्नाटक का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वे कारगिल युद्ध में शहीद हुए बीएसएफ डिप्टी कमांडेंट सुखबीर सिंह यादव की पत्नी हैं। महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुकी डॉ. यादव भाजपा संसदीय बोर्ड की सदस्य भी रही हैं। रसायन विज्ञान में आईआईटी रुड़की से एमएससी और पीएचडी करने वाली डॉ. यादव 2019 से 2022 तक राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य रह चुकी हैं। उनकी नियुक्ति को ओबीसी समाज और शहीद सैनिकों के परिवारों के सम्मान से जोड़कर देखा जा रहा है। दिल्ली से आने वाले दलित नेता दुष्यंत कुमार गौतम को सिक्किम का राज्यपाल बनाया गया है। उन्होंने आरएसएस और भाजपा में करीब पांच दशक तक संगठनात्मक कार्य किया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके गौतम नगर निगम पार्श्व से लेकर राज्यसभा सदस्य तक का सफर तय कर चुके हैं। उनकी नियुक्ति को जमीनी स्तर से उभरे दलित नेतृत्व के सम्मान के रूप में देखा जा रहा है।



दिल्ली में प्रदूषण पर लगाम लगाने की तैयारी तेज, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आईसीसीसी का किया निरीक्षण

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव, केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा और दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने प्रदूषण की निगरानी,



रियल-टाइम मॉनिटरिंग और वायु गुणवत्ता से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर सीएम रेखा गुप्ता ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ पांच सार्वजनिक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग स्टेशनों की शुरुआत की। इसके अलावा, 13 नए कंटीन्यूअस एंबिएंट एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशनों का उद्घाटन भी किया गया। सरकार का उद्देश्य प्रदूषण की निगरानी व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना और वायु गुणवत्ता से जुड़े आंकड़ों की सटीकता बढ़ाना है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के सहयोग से दिल्ली सरकार प्रदूषण के खिलाफ लगातार काम कर रही है। केंद्र सरकार के मार्गदर्शन में दिल्ली अब इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से रियल-टाइम मॉनिटरिंग की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि यह दिल्ली के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से प्रदूषण से संबंधित परिस्थितियों पर लगातार नजर रखने और आवश्यक कदम उठाने में मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कंधे से कंधा मिलाकर चलने के लिए मध्य प्रदेश प्रतिबद्ध- मोहन यादव

भोपाल, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कंधे से कंधा मिलाकर राज्य चलने को प्रतिबद्ध है। यह संकल्प कैबिनेट बैठक में लिया गया। मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की विशेष बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। सुशासन, विकास एवं राष्ट्र-कल्याण को समर्पित देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के गौरवशाली, ऐतिहासिक एवं असाधारण 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ से अधिक जनता की ओर से मंत्रि-परिषद ने कृतज्ञतापूर्वक अभिनन्दन करते हुए संकल्प पारित किया। मंत्रि-परिषद ने वर्ष 2047 तक आत्मनिर्भर भारत और विकसित मध

यप्रदेश के निर्माण के महायज्ञ में, प्रधानमंत्री मोदी के ओजस्वी नेतृत्व में कंधे से कंधा और कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए मध्यप्रदेश



सरकार की प्रतिबद्धता का संकल्प सर्वसम्मति से पारित किया। इतिहास जानें मुख्यमंत्री यादव ने मंत्रि-परिषद की विशेष बैठक में पारित संकल्प के बारे में बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने लोक सेवा के 25 वर्षों में अनथक एवं अर्हनिश पुरुषार्थ के बल पर केवल संकल्प ही नहीं लिए बल्कि उन्हें सिद्ध करके

भी दिखाया है। गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानसेवक के रूप में उनका यह कार्यकाल त्याग, समर्पण और लोक-कल्याण का अनुपम

उदाहरण है। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में बुनियादी ढांचे के विस्तार, आधुनिक अधोसंरचना के निर्माण, डिजिटल क्रांति, विनिर्माण क्षमता को गति देने तथा देश के गरीबों, वंचितों, महिलाओं, युवाओं और किसानों के सर्वांगीण सशक्तीकरण से हर नागरिक के जीवन में जो सकारात्मक बदलाव आया है, वह अविस्मरणीय है। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने शही विल डू इट्स का मंत्र देकर एक बार फिर देश की सामूहिक शक्ति को जागृत किया है। अपने सामर्थ्य और मंत्र को अपना मिशन बनाकर हम विकसित भारत के लिए विकसित मध्य प्रदेश बनाएंगे। हमें पूर्ण विश्वास है।

दुर्गा पूजा के रंग में सजी रामनगरी, दीपोत्सव की तैयारियां तेज प्रमुख मार्गों पर जगमगाती फैंसी लाइटें बढ़ा रही शहर की शोभा

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। दुर्गा पूजा और दशहरा पर्व के दौरान रामनगरी रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठी है। शाम होते ही शक्ति नगर से देवकाली तिराहा, देवकाली बाईपास से लता मंगेशकर चौराहा और मोहबरा बाजार सहित प्रमुख मार्गों पर लगी फैंसी लाइटें शहर की खूबसूरती में चार चांद लगा रही हैं। दुर्गा पूजा पंडालों और रामलीला स्थलों के आसपास की आकर्षक रोशनी श्रद्धालुओं के साथ आम लोगों का भी ध्यान खींच रही है। वहीं, आगामी दीपोत्सव को लेकर भी तैयारियां तेज हो गई हैं। लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड-4 के सहायक अभियंता सत्येंद्र सिंह ने बताया कि दीपोत्सव पर रामनगरी को सजाने-संवारने में कोई कोरे-कसर नहीं छोड़ी जाएगी। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर संबंधित मार्गों का निरीक्षण किया जा रहा है और तैयारियों को लेकर नियमित बैठकें भी हो रही हैं। वहीं दीपोत्सव के दौरान रामनगरी को दीपों और आकर्षक रोशनी से सजाकर भव्य स्वरूप प्रदान किया जाएगा।



‘कन्वर्जेंस’ से बदलती है जमीनी तस्वीर, पिछड़े जिलों की सफलता बनी विकास का मॉडल- शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (डब्ल्यूडब्ल्यू) के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर नई दिल्ली के पूसा परिसर स्थित भारत रत्न सी. सुब्रह्मण्यम सभागार में राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सम्मेलन में देशभर से आए 50 से अधिक जिलों के कलेक्टर, वैज्ञानिकों और वरिष्ठ नीति-निर्माताओं को संबोधित किया। उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिलों को सम्मानित करते हुए कहा कि जब सरकार के अलग-अलग विभाग एक दिशा में मिलकर काम करते हैं, तो पिछड़े और आकांक्षी जिले भी विकास की नई कहानी लिख सकते हैं। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री ध

न-धान्य कृषि योजना का खाका मंत्री ने कहा कि किसानों की आय बलिक जिलों की वास्तविक



परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर से तैयार किया है। उन्होंने जल प्रबंधन, खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय के माध्यम से सिंचाई और मंत्रालय के जरिए उपज की प्रोसेसिंग और वैल्यू एडिशन, सहकारिता और अंतर-विभागीय समन्वय के जरिए

गति बढ़ाने का आह्वान किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए केवल कृषि विभाग के प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। जल शक्ति मंत्रालय के माध्यम से सिंचाई और जल प्रबंधन, खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय के जरिए उपज की प्रोसेसिंग और वैल्यू एडिशन, सहकारिता और किसान उत्पादक संगठनों तक

के साथ पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन और एमएसएमई कौशल विकास को एक साथ जोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि योजनाओं के इस कन्वर्जेंस से किसानों की आय में कई गुना वृद्धि की संभावनाएं बनती हैं। शिवराज सिंह चौहान ने कृषि विज्ञान केंद्रों, आत्मा, कृषि विश्वविद्यालयों और आईसीएआर के करीब 16,000 वैज्ञानिकों के शोध को सीधे किसानों तक पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक अनुसंधान तभी सार्थक होगा, जब उसका लाभ खेत और किसान तक पहुंचे तथा आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल बढ़े। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के तहत उन 100 जिलों को प्राथमिकता दी गई है।

संपादकीय

भू-राजनीतिक दबाव

उचित ही इसे असहज करने वाली रवायत का हिस्सा बताया गया है, जिसमें भारत विश्व मंचों पर आतंकवाद विरोधी मुहिम चलाता है, लेकिन भू-राजनीतिक दबाव में हाथ आए संदिग्ध आतंकवादियों को अपने यहां से जाने देता है। म्यांमार से मणिपुर में घुस कर उग्रवादियों ने चार नंगा नागरिकों की हत्या कर दी। इस घटना से मणिपुर में जारी हिंसा के साथ सीमा पार का पहलू जुड़े होने की फिर पुष्टि हुई है। ये वारदात उस समय हुई, जब अमेरिकी एजेंट मैथ्यू वॉनडाइक और छह यूक्रेनी ड्रोन विशेषज्ञों को भारत से बाहर जाने देने की इजाजत मिल गई है। इन सभी को इस वर्ष मार्च में संदिग्ध स्थितियों में गिरफ्तार किया गया था। आरोप है कि ये सभी मणिपुर के रास्ते म्यांमार गए। इस मामले को भारत म्यांमार सीमा पर उग्रवादी गतिविधियों और विदेशी हस्तक्षेप की शिकायत से जोड़ कर देखा गया। वॉनडाइक अमेरिकी भाड़े का सैनिक है, जो सन्स ऑफ लिबरटी इंटरनेशनल नामक विवादास्पद संस्था से जुड़ा है। लीबिया, सीरिया, इराक, और अफगानिस्तान जैसे युद्ध क्षेत्रों में उसकी भूमिका विवादास्पद रही है। भारत में भी पहले उस पर आतंकवाद से जुड़ी धारा लगाई गई, लेकिन चार्जशीट पेश करते वक्त यूएपीए हटा दिया गया। विपक्ष एवं कई सुरक्षा विशेषज्ञों ने इस पर कड़ा एतराज जताया था। उनका इल्जाम है कि अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के हस्तक्षेप के कारण भारत सरकार ने इन लोगों पर नरमी बरती। बीते मई में भारत यात्रा के समय अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी ये मामला उठाया था। विश्लेषकों ने उचित ही इस कांड को उस लंबी और असहज करने वाली रवायत का हिस्सा माना है, जिसमें भारत अपने सख्त कानूनों का हवाला तो देता है, और विश्व मंचों पर आतंकवाद विरोधी मुहिम चलाता है, लेकिन भू-राजनीतिक दबाव पड़ते ही हाथ आए संदिग्ध आतंकवादियों को दंडित करने से पीछे हट जाता है। खुद भारतीय अदालत में दाखिल दस्तावेजों के मुताबिक वॉनडाइक का गुट बड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का हिस्सा है, जो तस्करी कर ड्रग्स भारत लाता था और फिर उन्हें म्यांमार भेजता था। इसके पहले भोपाल गैस लीक कांड में यूनियन कारबाइड के चेयरमैन वॉरेन एंडरसन, पुर्लिया में हथियार गिराने के आरोपियों, और केरल में भारतीय मछुआरों के हत्यारे इटली के दो नौसैनिकों के प्रति भी ऐसी नरमी बरती गई थी। ये तमाम घटनाएँ भारतीय राज्य के सॉफ्ट (कमजोर) बने रहने की दुर्भाग्यपूर्ण मिसाल हैं।

एक ही मुद्दे पर दो समानांतर मोर्चे

चुनाव चोरी के खिलाफ इंडिया गठबंधन का आंदोलन गुरुवार को और तेज हो गया। मंगलवार और बुधवार के बाद गुरुवार को भी इंडिया गठबंधन के तमाम सांसद फिर से एकत्र हुए। मल्लिकार्जुन खड्गे ने एक बार फिर सभी सांसदों और कांग्रेस नेताओं को लंच पर बुलाया। इस बार कर्नाट प्लेस के मोएट्स में सारा इंडिया ब्लॉक एकत्र हुआ तो अमित शाह ने पुलिस और सुरक्षा बलों का भारी जमावड़ा वहीं रेस्तरां के बाहर लगावा दिया। निर्वाचित सांसदों का एक जगह जमा होना और साथ खाना खाना क्या किसी खतरे का संकेत है, जिससे निपटने के लिए पुलिस बुला ली गई। अभी ठंड का मौसम आते ही कोई सांसद मक्के की रोटी और साग की दावत अपने घर पर रखेगा, कोई मकर सक्रांति पर दही-चूड़ा के लिए साथी सांसदों को न्यौता देगा, तो क्या इन सभी के बंगलों के बाहर पुलिस तैनात होगी। क्योंकि अब तक तो ऐसा कभी नहीं हुआ, लेकिन अब मोदी-शाह का डर इतना बढ़ चुका है कि जहां इंडिया के सांसदों को देखा वहीं पुलिस तैनात करवा दी। यह डर स्वाभाविक भी है, क्योंकि चुनावों में धांधली करने के लिए एसआईआर का जो पूरा कुचक्र चलाया गया है, उसकी सच्चाई सामने आ रही है। विपक्ष के नेता मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मिलने का वक्त चाहते हैं, जो उन्हें नहीं मिल रहा और इस बात पर विरोध। करने की इजाजत भी नहीं मिल रही। गुरुवार को एक बार फिर तमाम विपक्षी नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में राजघाट की तरफ बढ़े और इन पंक्तियों के लिखे जाने तक एक बार फिर उन्हें रोकने की कोशिशें जारी हैं। राजघाट पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 163 लगा दी गई है, यानी भीड़ जमा होने से रोकने का ऐलान हो गया है।निर्वाचित सांसदों के लिए भीड़ कड़ा जाने लगे तो यह समझना कठिन नहीं है कि लोकतंत्र की क्या गत बनाई जा रही है। वैसे जिस तरह से मोदी सरकार ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ उठी आवाज को दबाने के लिए दमनकारी तरीके अपनाए हैं, उस पर गुरुवार को कांग्रेस ने देश भर में विरोध प्रदर्शन और तेज कर दिया। के सी वेणुगोपाल ने सात तारीख को ही राज्य, जिला और ब्लॉकमंडल की कांग्रेस इकाइयों को पत्र लिखकर कहा था कि जो सलूक मल्लिकार्जुन खड्गे, राहुल गांधी समेत तमाम सांसदों के साथ किया गया, उसके विरोध के लिए आठ अक्टूबर को काला दिवस मनाया जाए। कांग्रेस में राष्ट्रीय स्तर पर तो लगातार हलचल देखने मिलती है, लेकिन जिला और मंडल स्तर की इकाइयों में स्थानीय नेताओं की सक्रियता से पार्टी मजबूत दिखती है। बीते 12 सालों में देश के कई हिस्सों में कांग्रेस के जमीनी कार्यकर्ता इसी वजह से हतोत्साहित थे कि उन्हें दिशा देने वाले नेता संगठन पर ध्यान नहीं देते थे। कई जगहों पर कांग्रेस इसी वजह से मजबूत नहीं हो पाई क्योंकि आपसी गुटबाजी रही। बीच में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड्गे ने इस कमजोरी को दूर करने के लिए लगातार राज्य इकाइयों के साथ बैठकों की, संगठन को नए सिर से मजबूत बनाने के लिए 2025 में काफी फैंसले भी लिए गए। लेकिन उनका उतना असर नहीं हुआ, जितना अब हो रहा है। क्योंकि कार्यकर्ता भी देख रहे हैं कि राहुल गांधी के साथ-साथ समूचा विपक्ष सड़क पर उतर आया है। यह संघर्ष चुनावों में हार की निराशा को दूर करने में असरकारी साबित हो रहा है।हालांकि इस संघर्ष का नतीजा क्या निकलेगा, यह अनुमान लगाना थोड़ा मुश्किल है। क्योंकि एक ही मुद्दे यानी एसआईआर में गड़बड़ी और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे पर दो समानांतर आंदोलन चल रहे हैं। इंडिया गठबंधन के अलावा कॉन्ग्रेस जनता पार्टी ने भी 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया है। इससे पहले आठ अक्टूबर को बंगलुरु में उसने प्रदर्शन किया। जिसमें अभिनेता और सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश राज और उनके साथ जर्मनी से आए यूट्यूबर ध्रुव राठी भी शामिल हुए। अब ये सभी लोग 10 अक्टूबर को भी जंतर-मंतर पर रहेंगे।वामपंथी छात्र संगठन नेहा बोरा ने भी 10 अक्टूबर के आंदोलन के लिए सभी से जुटने का आह्वान किया है। अभी 2 अक्टूबर को ही योगेन्द्र यादव, प्रशांत भूषण, कपिल सिब्बल, मनोज झा आदि के साथ भी नेहा बोरा ने वोट चोरी के खिलाफ प्रदर्शन किया था। जुलाई में पेपर लीक के खिलाफ भी ऐसे ही दो अलग-अलग मोर्चे खोले गए थे। राहुल गांधी तो छात्रों की गूंज कर ही रहे हैं, उधर सीजेपी ने भी आंदोलन किया था। हालांकि धर्मन्द् प्रधान का इस्तीफा हो गया तो दोनों को ही सफलता मिली। लेकिन इस आंदोलन में भी नेहा बोरा मंच के नीचे अनशनधर थीं और उन्हें राहुल गांधी ने खास तौर पर बुलाकर मुलाकात की थी, न्याय के लिए संघर्ष में साथ देने का वादा किया था। मगर अब नेहा बोरा ने वोट चोरी के खिलाफ 10 तारीख को तो एकजुट होने की बात कही, लेकिन इंडिया गठबंधन ने जो मोर्चा खोला है, जिस तरह रोज प्रदर्शन हो रहे हैं, उसमें उन्होंने साथ आने क्यों नहीं कहा, यह विचारणीय है। छह तारीख को नेहा ने एक पोस्ट भी लिखी कि कुछ जन-प्रतिनिधि अपना काम कर रहे हैं ।

राकेश शंख

राकेश शंख, 2014

शंख का यह दुर्भाग्य है कि ईश्वर ने उसे मजबूत खोल तो दिया है पर कोमल मस्तिष्क नहीं, तो बेचारा पराई फूक से बजने के मजबूर है। शंख की इसी मजबूरी के खतरे भी अनेक है, चाहते न चाहते हुए भी वह दूसरों की हावर्ड को आवाज दे देता है और वो भी कई गुना बढ़ा कर। आजकल देश के प्रतिपक्षी नेता राहुल गांधी हर विदेशी मुंह का शंख बनने के प्रयास में दिख रहे हैं। दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति और स्टारलिक के मालिक एलन मस्क का भारत सरकार पर किया गया हमला अनेक तरह के खतरनाक संकेत समेटे हुए हैं और इस हमले में किसी विदेशी शक्ति को देश के किसी संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति का एक स्वर होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। राहुल गांधी को विदेशी फूक से बजने

राकेश शंख, 2014

वाला शंख बनने से गुरेज करना चाहिए। जैसा कि सभी जानते हैं कि, सूचना प्रौद्योगिकी जिस तेजी से विकसित हो रही है उसी तेजी से तो बेचारा पराई फूक से बजने के मजबूर है। शंख की इसी मजबूरी के खतरे भी बढ़ रहे हैं। यह तकनीक जहां बड़ी आबादी को लाभ के खतरे भी अनेक है, चाहते न चाहते हुए भी वह दूसरों की हावर्ड को आवाज दे देता है और वो भी कई गुना बढ़ा कर। आजकल देश के प्रतिपक्षी नेता राहुल गांधी हर विदेशी मुंह का शंख बनने के प्रयास में दिख रहे हैं। दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति और स्टारलिक के मालिक एलन मस्क का भारत सरकार पर किया गया हमला अनेक तरह के खतरनाक संकेत समेटे हुए हैं और इस हमले में किसी विदेशी शक्ति को देश के किसी संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति का एक स्वर होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। राहुल गांधी को विदेशी फूक से बजने

विचार

एलन मस्क प्रकरण, विदेशी मुख के शंख न बनें राहुल गांधी

पर मस्क ने कहा कि स्टारलिक को 165 से ज्यादा देशों में लाइसेंस मिल चुका है और उसने पांच वर्षों तक भारत के हर कानून का पालन किया, फिर भी लाइसेंस क्यों नहीं मिला? क्या अंबानी ही भारत के असली बॉस हैं? यह बात पूरी तरह सच नहीं है। सरकार ने साफ किया कि स्टारलिक को मई 2025 में ही लाइसेंस मिल चुका है। सिर्फ स्पेक्ट्रम आवंटन अटका है, क्योंकि विदेशी निवेश की मंजूरी और सुरक्षा शर्तों का परीक्षण बाकी है। स्टारलिक ने जमीनी ढांचा विकसित करने के लिए जियो और भारती एयरटेल से साझेदारी भी की है और जियो के मालिक मुकेश अंबानी ही हैं। तो अंबानी पर कटाक्ष का अर्थ क्या है? सीधा अर्थ है कि मस्क सुरक्षा शर्तों में ढील चाहते हैं और यह भी कि सैटेलाइट फोन के क्षेत्र में कोई भारतीय कंपनी उनके मुकाबले आगे

न बढ़े, क्योंकि अंबानी भी यह महत्वाकांक्षा रखते हैं। ऐसे समय, जब केंद्र सरकार नीट और एसआईआर पर घरेलू राजनीति में घिरी है, मस्क की टिप्पणी मौके का फायदा उठाने की चाल है। ऐसा लगता है कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस सोची-समझी चाल पर बिना सोचे प्रतिक्रिया दे दी-श्मारत में स्वागत है एलन, जब तक दूसरा शख्स न मिले इंतजार करें। जबकि, स्टारलिक के जियो और एयरटेल से समझौते पर तब कांग्रेस ने राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी। घरेलू मोर्चे पर सरकार को घेरना एक बात है और अंतरराष्ट्रीय दांव-पेचों में शामिल होना दूसरी। क्या सुरक्षा की चिंता किए बिना किसी सैटेलाइट कंपनी को इसलिए मंजूरी दे देनी चाहिए कि उसके मालिक अंबानी-अदाणी नहीं, मस्क हैं? दूसरी बात यह है



कि विदेशी कंपनी के आगे भारतीय कंपनी को तरजीह क्यों नहीं मिलनी चाहिए, भले ही वह अंबानी या अदाणी की ही क्यों न हो, जिनकी मोनोपॉली विपक्ष के लिए घरेलू मुद्दा है? मस्क जैसे लोग नई तकनीकों से मानवता की भलाई के लिए भले ही ढेरों काम कर रहे हों, पर इससे शायद ही कोई कि उसके मालिक अंबानी-अदाणी हितों के टकराव में उनका व्यवहार

मैं जिंदा हूँ वाली तरव्ती से गृह मंत्रालय के ताले तक, जंतर-मंतर की अनकही कहानी

अभिनय कामज पर मरा हुआ एक इंसान जब खुद के जिंदा होने की सनद मांगने देश की चौखट पर आया, तो उसने जंतर मंतर के फुटपाथ को अपना ठिकाना बनाया। हाथों में मैं जिंदा हूँ साहब वाली तरव्ती की यह सड़क कड़कड़ाती ठंड में सीने से चिपका हुआ एक लावारिस भूरा कुत्ता। मानो मुंशी प्रेमचंद की पूस की रात का हल्कू और जबरा, दिल्ली के दिल्



में सालों तक इंसाफ की पहरेदारी करते रहे। नाम संतोष मूरत सिंह। यह वही सड़क है, जहाँ सिर्फ संतोष नहीं, बल्कि मुल्क के हर उस कोने की आवाज पहुँची, जिसे अपनी ही जमीन पर बेगाना कर दिया गया है। सवाई जयसिंह ने सदियों पहले के इस अजूबे को ग्रहों और तारों की चाल नापने के लिए तराशा था। इन्हें भला इस बात का क्या इल्म होगा कि आदाम हिंदुस्तान में ये खगोलीय वेधशाला एक दिन मुल्क के दर्द का थर्मामीटर बन जाएगा। दशक दर दशक बदलते रहे। लेकिन लाल-बलुआ पत्थर और ईंटों से बना जंतर-मंतर महज स्माक नहीं अपितु 140 करोड़

जंतर-मंतर, दिल्ली

डिनोटिफाई कर दिया है। यानी लोकतंत्र का वह मशहूर कोना, जहाँ तख्तियों की इबारतें हुकूमतों की नींद उड़ा दिया करती थीं, अब की आवाज पहुँची, जिसे अपनी ही जमीन पर बेगाना कर दिया गया है। सवाई जयसिंह ने सदियों पहले के इस अजूबे को ग्रहों और तारों की चाल नापने के लिए तराशा था। इन्हें भला इस बात का क्या इल्म होगा कि आदाम हिंदुस्तान में ये खगोलीय वेधशाला एक दिन मुल्क के दर्द का थर्मामीटर बन जाएगा। दशक दर दशक बदलते रहे। लेकिन लाल-बलुआ पत्थर और ईंटों से बना जंतर-मंतर महज स्माक नहीं अपितु 140 करोड़

हैं। यह कदम शकोंकरोच जनता पार्टी (ब्लर) के साथ शांतिपूर्ण विरोध I-प्रदर्शन की इजाजत को लेकर चल रहे विवाद और इंडिया ब्लॉकश के सुप्रीम कोर्ट तक प्रस्तावित मार्च से पहले राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी किए जाने के बीच उठाया गया है। 1 अक्टूबर, 2026 के एक आदेश के मुताबिक, नई तय की गई तीन जगहें हैं। पुरानी दिल्ली में रामलीला मैदान, पूर्वी दिल्ली में ब्क ग्राउंड और उत्तरी दिल्ली में बुराड़ी ग्राउंड। गौरतलब है कि ये तीनों जगहें मध्य दिल्ली में स्थित जंतर-मंतर से क्रमशः 3 किमी, 13.5 किमी और 44 किमी दूर हैं। दिल्ली पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार के हस्ताक्षर वाले इस आदेश में 28 अप्रैल, 2022 के उस पुराने आदेश में कुछ बदलाव किए गए हैं, जिसके तहत जंतर-मंतर को विरोध I-प्रदर्शन की जगह के तौर पर तय किया गया था। पुलिस ने कहा कि तीन नई जगहों पर विरोध-प्रदर्शन और रैलियों के आयोजन से जुड़े विस्तृत और संशोधित स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (व्क) अलग से जारी किए जाएंगे। दिल्ली हाई कोर्ट 13 अक्टूबर को उस याचिका पर सुनवाई करेगा जिसमें शांतिपूर्ण विरोध I प्रदर्शनों के लिए जंतर-मंतर को बंद करने के फैसले को चुनौती दी गई है। याचिकाकर्ता के वकील जाए, तो वो संतोष मूरत सिंह, वो किसान, वो छात्र और वो मजदूर ब अपनी फरियाद लेकर किस देहरी पर दस्तक देंगे? दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर को विरोध-प्रदर्शन के लिए तय जगह की सूची से हटा दिया है और ऐसी सभाओं के लिए तीन दूसरी जगहों के नाम बताए

दिया। कोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले से ही इस मामले को देख रहा है और उसने केंद्र सरकार से हलफनामा मांगा है। महाराजा सवाई जय सिंह द्वितीय न केवल एक शासक थे, बल्कि गणित और खगोल विज्ञान में गहरी रुचि रखने वाले विद्वान भी थे। 18वीं सदी की शुरुआत में, उन्होंने खगोलीय घटनाओं के बारे में ज्यादा सटीक जानकारी की जरूरत को समझा और पूरे भारत में कई वेधशालाएँ बनवाईं। दिल्ली का जंतर-मंतर उनके द्वारा बनाई गई पाँच वेधशालाओं में से एक थाज बाकी वेधशालाएँ जयपुर, उज्जैन, वाराणसी और मथुरा में स्थित थीं। इन वेधशालाओं को खगोलीय तालिकाओं को बेहतर बनाने और आकाशीय गतिविधियों की ज्यादा सटीक माप करने के लिए डिजाइन किया गया था। जय सिंह द्वितीय के प्रयासों से वैज्ञानिक आदान-प्रदान के एक दौर की झलक मिलती है, जिसमें भारतीय खगोलीय परंपराओं का फारसी, इस्लामी और यूरोपीय स्रोतों के ज्ञान से मेल हुआ। उनकी वेध शालाएँ अवलोकन और गणना के केंद्र बन गईं, जहाँ वैज्ञानिक तरीकों और वास्तुकला के नए प्रयोगों का संगम हुआ। रहने या दौरी पारंपरिक इमारतों से अलग, जंतर-मंतर को एक विशाल वैज्ञानिक उपकरण के तौर पर बनाया गया था। हर संरचना का एक खास मकसद था। आकाशीय पिंडों की गति को मापने के लिए इनके कोण और दूराव बहुत साव्ध ानी से तय किए गए थे। दिल्ली

वेधशाला की सबसे खास संरचना श्सम्राट यंत्रश है। यह एक विशाल धूप-घड़ी है, जिसका इस्तेमाल सूरज की परछाई की गति को ट्रैक करके स्थानीय समय का पता लगाने के लिए किया जाता था। इसके विशाल आकार की वजह से खगोलविद ज्यादा सटीकता के साथ अवलोकन कर पाते थे। एक और जरूरी यंत्र श्जय प्रकाश यंत्रश है, जिसमें कटोरे के आकार के दो हिस्से होते हैं। इनकी मदद से खगोलशास्त्री आकाशीय पिंडों की स्थिति का पता लगाते थे। बेलनाकार आकृतियों से बने श्राम यंत्रश का इस्तेमाल तारों और दूसरे खगोलीय पिंडों की ऊंचाई और दिशा मापने के लिए किया जाता था। ये सभी यंत्र मिलकर यह दिखाते हैं कि किस तरह वैज्ञानिक जानकारी को ऐसी भौतिक संरचनाओं में बदला गया, जिनका अध्ययन और इस्तेमाल किया जा सकता था। आधुनिक टेलीस्कोप और डिजिटल टेक्नोलॉजी के आने से पहले के दौर में जंतर-मंतर जैसी वेधशालाओं ने ब्रह्मांड को समझने में अहम भूमिका निभाई। खगोलशास्त्री आकाशीय गतिविधि ायों पर नजर रखने के लिए गणितीय गणनाओं और सावधानी से बनाए गए उपकरणों पर निर्भर रहते थे। ऐसी जगहों पर की गई खोजों और अवलोकनों से ज्यादा सटीक कैलेंडर बनाने और ग्रहों की चाल के बारे में जानकारी बेहतर करने में मदद मिली। खगोल विज्ञान को रोजमर्रा की जिंदगी से अलग नहीं माना जाता थाय इसने खेती, व्याहारां, समुद्री यात्रा और समय बताने के तरीकों

को प्रभावित किया।स जंतर-मंतर वैज्ञानिक अवलोकन और समाज के बीच इसी संबंध को दिखाता है और बताता है कि कैसे आसमान के अध्ययन ने इंसानी समझ को आकार दिया। जैसे-जैसे दिल्ली देश का राजनीतिक और प्रशासनिक केंद्र बनी, जंतर-मंतर धीरे-धीरे लोगों की आवाज उठाने की जगह के तौर पर पहचाना जाने लगा। इसकी खुली बनावट की वजह से लोग यहाँ व्यवस्थित ढंग से इकट्ठा हो सकते थे, और इसके ऐतिहासिक माहौल ने इस जगह को एक खास पहचान दी। जंतर-मंतर में आया यह बदलाव दिखाता है कि कैसे ऐतिहासिक जगहों का मतलब पीढ़ियों के साथ बदलता रहता है। मूल रूप से खगोलीय पिंडों की गति के अध् ययन के लिए बनाया गया यह स्मारक नागरिक भागीदारी से जुड़ गया जिससे इसके सांस्कृतिक महत्व में एक और आयाम जुड़ गया। 1988 में किसान आंदोलन के बाद बोट क्लब पर प्रदर्शन रोक दिए गए थे। इसके बाद 1993 में जंतर-मंतर पर पहला प्रदर्शन हुआ था। जंतर-मंतर को ६ राना स्थल बनाने संबंधी किसी आदेश का रिकॉर्ड नहीं है। यह पुलिस की प्रशासनिक व्यवस्था के रूप में विकसित हुआ। स्थानीय लोगों की शोर, प्रदूषण जैसी शिकायतों पर एनजीटी ने 2017 में यहां प्रदर्शन रोक दिए। धरने-प्रदर्शन रामलीला मैदान में करने को कहा। 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने कहा- शांतिपूर्ण प्रदर्शन संवैधानिक अधिकार है। कोर्ट ने प्रतिबंध हटाकर नियंत्रित प्रदर्शन की व्यवस्था बनाने को कहा। अब सुप्रीम कोर्ट में फिर वैकल्पिक प्रदर्शन स्थल की मांग लंबित है।

संशोधित ईपीएफ सीमा और सामाजिक सुरक्षा तंत्र का निर्माण

विक्रम विश्वकर्मा जयंती पर, कामगारों और शिल्पकारों का सम्मान करने वाले इस पर्व के अवसर पर सरकार ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के लिए वेतन सीमा को 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये प्रति माह करने के बहुत समय से लंबित निर्णय की घोषणा की। कोई पूछ सकता है कि सीमा में 10,000 रुपये की वृद्धि से आखिर क्या बदलाव आएगा? इस संशोधन की आवश्यकता क्यों है और इसका कर्मचारी या नियोक्ता पर क्या प्रभाव पड़ेगा? तो आइए, मूल बातों से शुरुआत करते हैं। 25,000 रुपये की यह वैधानिक वेतन सीमा अनिवार्य ईपीएफ, कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) और कर्मचारी जमा-लिकड बीमा (ईडीएलआई) कवरेज के लिए सीमा का काम करती है। ये तीनों योजनाएँ भारत में वेतनभोगी कामगारों के लिए सामाजिक सुरक्षा तंत्र के मूल आधार हैंरू सेवानिवृत्तिध आपातकालीन निधिध नियोक्ता के अंशदान से वित्तपोषित पेंशन निधि, जिससे सेवानिवृत्ति के बाद भुगतान किया जाता हैय और जीवन बीमा, जिसे नियोक्ता के अंशदान से ही वित्तपोषित किया जाता है, जिससे कर्मचारी की मृत्यु की स्थिति में उसके परिवार को सहायता मिल सके। पूर्णतरु उचित यही है कि सामाजिक

सुरक्षा को साल 2014 से स्थिर किसी संख्या पर आधारित न रखा जाए, जबकि इस अवधि में वेतन, न्यूनतम मजदूरी और जीवन-यापन की लागत लगातार बढ़ती रही है। पिछली वेतन सीमा के तहत, 15,000 रुपये से अधिाक मासिक वेतन पर नौकरी शुरू करने वाला कोई भी नया कर्मचारी अनिवार्य ईपीएफ कवरेज से बाहर हो जाता था, ईपीएस के लिए पात्र नहीं होता था और ईडीएलआई के संरक्षण से भी वंचित रहता था। किसी मौजूदा कर्मचारी का वेतन समय के साथ इस रूप पर क्या प्रभाव पड़ेगा? तो आइए, मूल बातों से शुरुआत करते हैं। 25,000 रुपये की यह वैधानिक वेतन सीमा अनिवार्य ईपीएफ, कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) और कर्मचारी जमा-लिकड बीमा (ईडीएलआई) कवरेज के लिए सीमा का काम करती है। ये तीनों योजनाएँ भारत में वेतनभोगी कामगारों के लिए सामाजिक सुरक्षा तंत्र के मूल आधार हैंरू सेवानिवृत्तिध आपातकालीन निधिध नियोक्ता के अंशदान से वित्तपोषित पेंशन निधि, जिससे सेवानिवृत्ति के बाद भुगतान किया जाता हैय और जीवन बीमा, जिसे नियोक्ता के अंशदान से ही वित्तपोषित किया जाता है, जिससे कर्मचारी की मृत्यु की स्थिति में उसके परिवार को सहायता मिल सके। पूर्णतरु उचित यही है कि सामाजिक

सामाजिक सुरक्षा तंत्र को थोड़ा अधिक न्यायसंगत और थोड़ा व्यापक जरूर बनाती है। 10,000 रुपये की वृद्धि भले ही मामूली लगती हो, लेकिन अब सामाजिक सुरक्षा तंत्र के दायरे में आने वाले अतिरिक्त 51 लाख कामगारों की संख्या मामूली नहीं है। और अधिकांश अधिकारों के विपरीत, इस अधिकाार का लाभ लेने के लिए कामगार को अपनी ओर से कुछ भी करने की आवश्यकता नहीं है। मनुष्य अपने भविष्य की कल्पना करने और उसके कर्मचारी का वेतन समय के साथ इस रूप पर क्या प्रभाव पड़ेगा? तो आइए, मूल बातों से शुरुआत करते हैं। 25,000 रुपये की यह वैधानिक वेतन सीमा अनिवार्य ईपीएफ, कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) और कर्मचारी जमा-लिकड बीमा (ईडीएलआई) कवरेज के लिए सीमा का काम करती है। ये तीनों योजनाएँ भारत में वेतनभोगी कामगारों के लिए सामाजिक सुरक्षा तंत्र के मूल आधार हैंरू सेवानिवृत्तिध आपातकालीन निधिध नियोक्ता के अंशदान से वित्तपोषित पेंशन निधि, जिससे सेवानिवृत्ति के बाद भुगतान किया जाता हैय और जीवन बीमा, जिसे नियोक्ता के अंशदान से ही वित्तपोषित किया जाता है, जिससे कर्मचारी की मृत्यु की स्थिति में उसके परिवार को सहायता मिल सके। पूर्णतरु उचित यही है कि सामाजिक

के कामगार के खाते में पहुंचने से पहले ही पेंशन के लिए अंशदान अलग रख दिया जाता हैकृजो पैसा कभी दिखाई ही नहीं देता, उसे खर्च करना संभव नहीं होता। और धीरे-धीरे, हर महीने वेतन का एक छोटा हिस्सा, अलग रखा जाता है, जिससे सेवानिवृत्ति निधि तैयार होती है, जिसका उपयोग आपातकाल में भी किया जा सकता है, साथ ही जीवन बीमा का कवरेज भी मिलता हैकृवह भी आपके अपनी ओर से बिना कोई अतिरिक्त प्रयास किए। हालांकि, इस संशोधन के साथ नियोक्ताओं के लिए एक लागत भी जुड़ी हुई है। अनिवार्य वेतन सीमा अब बढ़ाकर 25,000 रुपये किए जाने के साथ, नियोक्ताओं को काफी अधिकां संख्या में कर्मचारियों को वैािनिक ईपीएफ कवरेज प्रदान करनी होगी और उनके मासिक अंशदान संबंधी दायित्व भी बढ़ जाएंगे। उदाहरण के लिए, 22,000 रुपये प्रति माह कमाने वाला ऐसा कर्मचारी, जो पहले अनिवार्य कवरेज से बाहर था, अब वैधानिक रूप से ईपीएफ कवरेज के दायरे में आएगा और नियोक्ता के लिए इस कर्मचारी को ईपीएफ कवरेज प्रदान करना अनिवार्य होगा। अब नियोक्ता को वेतन का 12 प्रतिशत अंशदान करना होगा, जो ईपीएस पेंशन योजना और कर्मचारी के अपने ईपीएफ खाते के बीच

विभाजित होगा। यह राशि प्रति कर्मचारी प्रति माह 2,640 रुपये या वार्षिक 31,680 रुपये होगी। ऐसे 20 कर्मचारियों के मामले में, यह अतिरिक्त पेरोल लागत के रूप में प्रति वर्ष 6,33,600 रुपये होगी। इसके अलावा, ईडीएलआई बीमा अंशदान भी होगा, निधि तैयार होती है, जिसका उपयोग आपातकाल में भी किया जा सकता है, साथ ही जीवन बीमा का कवरेज भी मिलता हैकृवह भी आपके अपनी ओर से बिना कोई अतिरिक्त प्रयास किए। हालांकि, इस संशोधन के साथ नियोक्ताओं के लिए एक लागत भी जुड़ी हुई है। अनिवार्य वेतन सीमा अब बढ़ाकर 25,000 रुपये किए जाने के साथ, नियोक्ताओं को काफी अधिकां संख्या में कर्मचारियों को वैािनिक ईपीएफ कवरेज प्रदान करनी होगी और उनके मासिक अंशदान संबंधी दायित्व भी बढ़ जाएंगे। उदाहरण के लिए, 22,000 रुपये प्रति माह कमाने वाला ऐसा कर्मचारी, जो पहले अनिवार्य कवरेज से बाहर था, अब वैधानिक रूप से ईपीएफ कवरेज के दायरे में आएगा और नियोक्ता के लिए इस कर्मचारी को ईपीएफ कवरेज प्रदान करना अनिवार्य होगा। अब नियोक्ता को वेतन का 12 प्रतिशत अंशदान करना होगा, जो ईपीएस पेंशन योजना और कर्मचारी के अपने ईपीएफ खाते के बीच

अच्छी प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए स्वेच्छिक कवरेज प्रदान करते हैं। सामाजिक सुरक्षा की अवधारणा यह है कि यह ट्रैम्पोलीन की तरह न केवल आपको संभालती है, बल्कि फिर से उछलकर आगे बढ़ने में भी सक्षम बनाती है। इस व्यवस्था का मूल उद्देश्य कामगारों को ऐसा कोष अब इसकी गणना भी अधिक वेतन आधार पर की जाएगी। निम्नलिखित संबंधित निर्णय लेते समय यह नियोक्ताओं के लिए एक वास्तविक लागत है। अधिक लागत कंपनी के लिए एक स्पष्ट निष्कर्ष प्रतीत होती है, लेकिन यह केवल प्रारंभिक प्रभाव है और अधिक कुशल और अधिक कार्य-क्षमता वाले कामगार आकर्षित होते हैं, क्योंकि नए कर्मचारी किसी भी नए नियोक्ताओं के लिए एक लागत भी जुड़ी हुई है। अनिवार्य वेतन सीमा अब बढ़ाकर 25,000 रुपये किए जाने के साथ, नियोक्ताओं को काफी अधिकां संख्या में कर्मचारियों को वैािनिक ईपीएफ कवरेज प्रदान करनी होगी और उनके मासिक अंशदान संबंधी दायित्व भी बढ़ जाएंगे। उदाहरण के लिए, 22,000 रुपये प्रति माह कमाने वाला ऐसा कर्मचारी, जो पहले अनिवार्य कवरेज से बाहर था, अब वैधानिक रूप से ईपीएफ कवरेज के दायरे में आएगा और नियोक्ता के लिए इस कर्मचारी को ईपीएफ कवरेज प्रदान करना अनिवार्य होगा। अब नियोक्ता को वेतन का 12 प्रतिशत अंशदान करना होगा, जो ईपीएस पेंशन योजना और कर्मचारी के अपने ईपीएफ खाते के बीच

डीडीयू–जीकेवाई प्रशिक्षण केंद्र पारा में फ़ेशर पार्टी, विद्यार्थियों ने प्रस्तुत की सांस्कृतिक प्रतिभा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। डूडा कॉलोनी, पारा स्थित एजुकेंटर एक्स्ट्राऑर्डिनरी लिमिटेड के पारा ब्रांच में संचालित डीडीयू–जीकेवाई प्रशिक्षण केंद्र में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत में फ़ेशर पार्टी का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने



नृत्य, नाटक, संगीत एवं वाद–विवाद सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जीडीसीटी ग्रुप के डायरेक्टर इंजीनियर पी. कुमार यादव ने विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण के महत्व, प्रशिक्षण के बाद रोजगार के अवसर एवं प्रमाण–पत्र के लाभों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रशिक्षण को गंभीरता से लेते हुए अपने कौशल का विकास करने और बेहतर भविष्य के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया। केंद्र प्रबंधक संतोष मौर्या ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम में सुशील, अंशुल, लक्ष्मी, अर्चना, अनूप, आलोक यादव, खुशबू, तनवीर, समीक्षा, नेहा, अनु, फिजा, दीपक, महक, हेमंत, रिती, कृति, ज्योति, कोमल, शिवानी, प्रियांशी एवं सलीम सहित केंद्र का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों से कार्यक्रम उत्साहपूर्ण और यादगार बन गया।

यूपीआई भुगतान पर एमडीआर चार्ज के विरोध में व्यापारियों ने थाली बजाकर किया प्रदर्शन

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में मंगलवार को समाजवादी व्यापार सभा के कार्यकर्ताओं ने यूपीआई भुगतान पर प्रस्तावित एमडीआर (मवैट डिस्काउंट रेट) चार्ज के विरोध में कलेक्ट्रेट परिसर में थाली बजाकर प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष संजीव कुमार साहू के नेतृत्व में दो दर्जन से अधिक कार्यकर्ताओं ने अपर जिलाधिकारी परमानंद झा को राष्ट्रपति के नाम



संबोधित ज्ञापन सौंपकर प्रस्तावित शुल्क वापस लेने की मांग की। जिलाध् यक्ष संजीव कुमार साहू ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा 15 अक्टूबर से यूपीआई भुगतान पर प्रस्तावित 0.04 प्रतिशत एमडीआर चार्ज के विरोध में शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से प्रदर्शन किया गया है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन भुगतान व्यवस्था से जुड़े नियमों और शुल्कों के कारण व्यापारी परेशान हैं। प्रस्तावित चार्ज से छोटे दुकानदारों, खुदरा व्यापारियों और अन्य कारोबारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था को सरल, सुलभ और किफायती बनाए रखना जरूरी है। व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए सरकार को ऐसे निर्णय लेने चाहिए, जिससे छोटे कारोबारियों पर अतिरिक्त वित्तीय दबाव न पड़े। उन्होंने व्यापारियों के हितों से जुड़े निर्णयों में व्यापारिक संगठनों और संबन्धित हितधारकों से संवाद करने की भी मांग की।

शाही पुल से गोमती नदी में कूड़ा युवक, तलाश में जुटी एसडीआरएफ और पीएसी की टीम

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में नगर कोतवाली क्षेत्र के शाही पुल से सोमवार देर रात एक युवक ने गोमती नदी में छलांग लगा दी। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और युवक की तलाश शुरू कराई। मंगलवार को एसडीआरएफ और पीएसी के गोताखोरों को बुलाकर तलाश अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, सहाबुद्दीनपुर निवासी मोहम्मद उमैर (पुत्र मोहम्मद शमशाद) सोमवार रात किसी बात से नाराज होकर घर से निकल गया था। परिजनों के मुताबिक, रात करीब 12रु30 बजे उनके पिता के मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने संदेश दिया कि उन्हें माफ कर दें, वह पुल पर है। दोबारा फोन करने पर पता चला कि उमैर ने किसी व्यक्ति से मोबाइल लेकर फोन किया था। परिजन उसकी तलाश में जेसीज चौराहे और सदभावना पुल पहुंचे, लेकिन उसका पता नहीं चला। बाद में शाही पुल पर उमैर एक अर्टिंगा कार के पीछे छिपा मिला। परिजनों को देखते ही वह नदी की ओर बढ़ने लगा। मोहम्मद नसीम ने उसे रोकने और बात करने की कोशिश की। इसी दौरान नसीम का मोबाइल बजने लगा और वह फोन निकालने लगे। तभी उमैर ने गोमती नदी में छलांग लगा दी। इस संबंध में सरायपोख्ता चौकी प्रभारी राहुल रंजन ने बताया कि परिजनों की ओर से पुलिस को घटना की जानकारी नहीं दी गई है। घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जांच की जा रही है। युवक की तलाश के लिए एसडीआरएफ और पीएसी के गोताखोरों को बुलाया गया है।



राजधानी/जौनपुर

रक्तदान,मानवता की पहचान - डॉ. कमर अब्बास

रक्तदान कर प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने पेशा की मिसाल

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। मानवता की सेवा और

जीवन रक्षा के संकल्प के साथ मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज के सौदागर हॉल में मंगलवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान की अध्यक्षता में आयोजित शिविर में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. कमर अब्बास मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। शिविर का शुभारंभ प्राचार्य ने स्वयं रक्तदान करके किया और विद्यार्थियों के सामने सेवा एवं समर्पण की प्रेरणादायक मिसाल पेश की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि रक्तदान महादान है, क्योंकि हमारे रक्त की कुछ बूंदें किसी जरूरतमंद के जीवन में नई उम्मीद जगा सकती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से रक्तदान के प्रति जागरुकता फैलाने और इस पुनीत कार्य में बढ़–चढ़कर भाग लेने की अपील की। मुख्य अतिथि डॉ. कमर अब्बास ने अपने संबोधन में कहा कि रक्तदान केवल रक्त देने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि किसी अनजान व्यक्ति को जीवन का उपहार देने का मानवीय संकल्प है। युवाओं को रक्तदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर कर समाज में जागरुकता फैलानी चाहिए तथा स्वस्थ होने पर स्वेच्छक रक्तदान



के लिए आगे आना चाहिए। जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. अर्पित प्रताप सिंह ने कहा कि समय पर रक्त की उपलब्धता अनेक मरीजों के लिए जीवनरक्षक साबित होती है और स्वेच्छिक रक्तदान इस आवश्यकता को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिविर में छात्र–छात्राओं एवं एनसीसी कमर अब्बास ने अपने संबोधन में कहा कि रक्तदान केवल रक्त देने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि किसी अनजान व्यक्ति को अपना योगदान दिया। छात्राओं की सक्रिय भागीदारी ने यह संदेश दिया कि बेटियां भी साहस, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ जीवन बचाने के

इस पुनीत कार्य में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। कार्यक्रम का संचालन अहमद अब्बास खान ने किया। इस अवसर पर जिला चिकित्सालय से इरशाद अहमद, शालिनी मौर्य, विनोद प्रधान, आर.पी. सिंह, डॉ. जीवन यादव, डॉ. प्रज्वलित यादव, डॉ. आशीष श्रीवास्तव, डॉ. संतोष यादव, प्रवीण यादव, अंकित यादव एवं अदिति मिश्रा सहित चिकित्सकीय टीम तथा बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। शिविर ने समाज को यह प्रेरक संदेश दिया कि रक्तदान केवल एक नेक कार्य नहीं, बल्कि किसी परिवार की खुशियां बचाने और किसी जीवन को नई शुरुआत देने का माध्यम है।

मेडिकल कॉलेज से सहबद्ध पैरामेडिकल का तृतीय बैच निकला, जूनियर ने सीनियर को दी विदाई

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो0 आर0बी0 कमल के दिशा निर्देश में सांस्कृतिक कार्यक्रम नोडल डा0 प्रियंका सिंह एवं सहबद्ध एवं स्वास्थ्य देख–रेख (पैरामेडिकल) के नोडल डा0 विनोद वर्मा के द्वारा पैरामेडिकल के छात्रों के विदाई समारोह का आयोजन‘ बडेछ हर्षोल्लास के मनाया गया। यह समारोह सीनियर बैच 2024 के छात्रों के विदाई सम्मान में जूनियर बैच 2025 के छात्रों द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुवात दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई।

तदपश्चात चीफ प्रॉक्टर प्रो0 रुचिरा सेठी ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन एक नई शुरुआत का संकेत है। आप सभी ने इस संस्थान में न केवल शिक्षा प्राप्त की है, बल्कि अनुशासन, सेवा और मानवता के मूल्यों को भी सीखा है। पैरामेडिकल क्षेत्र एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ आपकी ज्ञान और सेवा भावना सीधे मानव जीवन को प्रभावित करती है।” हम आशा करते हैं कि आप जहाँ भी जाएं हमारे कालेज का नाम रोशन करें। आपके व्यवहार और



कार्यशैली से यह झलकना चाहिए कि आप एक अच्छे इंसान और जिम्मेदार स्वास्थ्यकर्मी हैं।

‘पैरामेडिकल विभाग के नोडल डा0 विनोद वर्मा ने छात्रों को अपने संबोधन में कहा “विदाई केवल एक अंत नहीं, बल्कि एक नए सफर की शुरुआत है। आप सभी ने जिस समर्पण अनुशासन के साथ शिक्षा प्राप्त की है, वही गुण आपको सफलता के मार्ग पर आगे ले जाएंगे।” उन्होंने छात्रों को आशीर्चन देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और यह संदेश दिया कि वे जहां भी जाएं, संस्थान का नाम रोशन करें। छात्रों ने रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से समारोह को यादगार बना दिया। जिसमें जूनियर छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम: नृत्य, गीत, नाटक और भाषण को प्रस्तुत कर अपने सीनियर्स को भावभीनी विदाई दी।

मोबाइल बेचने के नाम पर बुलाकर लूट करने का आरोपित गिरफ्तार, नकदी व बाइक बरामद



ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में सिकरारा थाना पुलिस ने लूट के मामले में वांछित आरोपित अनुज यादव उर्फ डाढ़ी को सोमवार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से लूट के 1,500 रुपये, दो मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। इस संबंध में सोमवार

को जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि कानपुर देहात जिले के मंगलपुर थाना क्षेत्र के रणधीरपुर निवासी शांतनु ने रविवार को सिकरारा थाने में तहरीर दी थी। आरोप है कि रविवार शाम करीब पांच बजे अजय विश्वकर्मा, शुभम सिंह, आकाश गौतम और अनुज यादव ने मोबाइल बेचने के बहाने उन्हें बुलाया। इसके बाद तमचा

सटाकर मोबाइल और नकदी छीन ली तथा यूपीआई के माध्यम से खाते से भी रुपये स्थानांतरित करा लिए। विरोध करने पर गाली–गलौज और मारपीट की गई। आरोपितों पर जान से मारने की धमकी देने और भयभीत करने के लिए गोली चलाने का भी आरोप है। इस मामले में पुलिस ने चारों आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह के निर्देशन और क्षेत्राधिाकारी सदर अनंत चंद्रशेखर के पर्यवेक्षण में सिकरारा पुलिस ने मुखाबिर की सूचना पर ककोहिया–सोनपुरा जंगल से अनुज यादव को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपित के खिलाफ सिकरारा थाने में दर्ज मामले के अलावा महाराजगंज थाने में भी एक मुकदमा दर्ज है। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

अज्ञात बदमाशोंने हिस्ट्रीशीटर की गोली मारकर किया हत्या, चार संदिग्ध चिह्नित

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में केराकत कोतवाली क्षेत्र के बलईपुर बैरगिया गांव में मंगलवार देर रात पंचायत भवन के पास हिस्ट्रीशीटर गुलाब पाल (25) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसका शव मिलने से गांव में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में चार संदिग्धों को चिह्नित कर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार, गुलाब पाल पुत्र पतिराम पाल सोमवार रात गांव में आयोजित एक तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होने के बाद अपने पिता के साथ घर लौटा था। कुछ देर बाद वह मोटरसाइकिल लेकर यह कहकर निकला कि जल्द वापस आ जाएगा। रात करीब एक बजे परिजनों को सूचना मिली कि वह पंचायत भवन के पास घायल अवस्था में पड़ा है।

परिजन मौके पर पहुंचे तो वह मृत मिला। उसके बाएं सीने पर गोली लगने का निशान था। इसके बाद परिजनों ने डायल 112 पर सूचना दी। सूचना पर केराकत कोतवाली प्रभारी अमरेंद्र कुमार पांडेय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। सीओ केराकत गिरेन्द्र कुमार ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची तो गुलाब के सीने में गोली लगी थी। उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटनास्थल पर पांच थानों की पुलिस के साथ सर्विलांस और फॉरेंसिक टीम ने पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। इस संबंध में मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि गुलाब पाल केराकत थाने का हिस्ट्रीशीटर था। उसके खिलाफ हत्या के प्रयास, लूट और रंगदारी समेत करीब एक दर्जन के पास घायल अवस्था में पड़ा है।

भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष बनीं प्रीति गुप्ता और अनुपमा राय जौनपुर में प्रीति तो मठलीशहर में अनुपमा को मिली जिम्मेदारी

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। यूपी के जौनपुर में भारतीय जनता पार्टी ने महिला मोर्चा के जिला अध्यक्षों की घोषणा की है। इसके तहत जौनपुर में प्रीति गुप्ता और मछलीशहर में अनुपमा राय को महिला मोर्चा का जिलाध्यक्ष बनाया गया है। दोनों की नियुक्ति से पार्टी कार्यकर्ताओं में हर्ष है। प्रीति गुप्ता जनपद में लंबे समय से सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय हैं। वह सखी वेलफेयर फाउंडेशन की संस्थापक एवं अध्यक्ष हैं। संस्था के माध्यम से महिला सशक्तीकरण, स्वास्थ्य जागरुकता, शिक्षा और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य करती हैं। उनकी यह दिन समी के लिए भावनात्मक और यादगार रहा। इस अवसर पर डीन एकेडमिक प्रो0 तबस्सुम यासमिन, प्रो0 भारती यादव, प्रो0 साधना अजय, डा0 विनोद कुमार, डा0 अनुज सिंह, डा0 आदर्श यादव, डा0 कुलदीप गुप्ता, डा0 मुदित चौहान, डा0 नीवन कुमार सिंह, डा0 जितेन्द्र कुमार, डा0 चन्द्रभान, डा0 पूजा पाठक, डा0 अर्चना, डा0 प्रियंका सिंह, दीपिका शाव, डा0 प्रतिभा सिंह, डा0 संजीव यादव, डा0 आशुतोष सिंह, डा0 फरहत फातिमा, डा0 पंकज कुमार, डा0 दीपक कुमार, डा0 संदीप सिंह, डा0 आसिया मेहदी, डा0 आदर्श मौर्या व अन्य चिकित्सा शिक्षक तथा छात्र/छात्राएं तथा कर्मचारीगण उपस्थित रहे।



नगरीय उत्तरी इकाई की कार्यसमिति सदस्य भी रह चुकी हैं। प्रीति गुप्ता जरूरतमंद महिलाओं और बच्चों को सेनेटरी पैड उपलब्ध कराने, नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित कराने तथा महिलाओं एवं युवतियों को सिलाई–कढ़ाई और ब्यूटी पार्लर महिला प्रमुख, राष्ट्रीय तेली साहू महासंठन के महिला प्रकोष्ठ की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष तथा भाजपा की

वसई पूर्व में राम सेना की बैठक संपन्न, हिंदू संस्कृति और संस्कारों के संरक्षण पर दिया जोर

देश की उपासना समाचार पत्र, मुंबई ब्यूरो चीफ धनन्जय विश्वकर्मा।

मुंबई/वसई। वसई–विरार महानगरपालिका क्षेत्र के बालिवफाटा के समीप स्थित लक्ष्मी इंडस्ट्रियल स्टेट में राम सेना संस्था की बैठक का आयोजन किया गया। भगवान शिव के मंदिर प्रांगण में आयोजित इस बैठक का शुभारंभ संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता सुनील सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। बैठक में हिंदू संस्कृति, धार्मिक परंपराओं, पारिवारिक संस्कारों और सामाजिक एकता को मजबूत करने पर चर्चा की गई। सभा को संबोधित करते हुए अधिवक्ता सुनील सिंह ने कहा कि हिंदू संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण करना हम सभी की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को बचपन से ही नैतिक मूल्यों, धार्मिक ग्रंथों और भारतीय संस्कृति की जानकारी देना आवश्यक है। भगवान श्रीराम के आदर्शों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उनके जीवन से मर्यादा, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और सदाचार की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने लोगों से अपने धार्मिक ग्रंथों और पुराणों का अध्ययन करने तथा उनसे मिलने वाली शिक्षाओं को समाज के बीच साझा करने का आह्वान किया। परिवार और सामाजिक एकता पर दिया जोर



वसई शहर अध्यक्ष राजेश सोनी ने अपने संबोधन में कहा कि राम सेना का उद्देश्य लोगों को एकजुट करना, भगवान श्रीराम के आदर्शों से प्रेरणा लेना तथा आपसी सम्मान और सहयोग की भावना को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोगों की सहायता कर उन्हें भी संगठन से जोड़ने का प्रयास किया जाना चाहिए, ताकि समाज में एकता और सहयोग की भावना मजबूत हो सके। राजेश सोनी ने बदलते डिजिटल दौर में बच्चों और परिवार के बीच संवाद कम होने पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बच्चों को मोबाइल और डिजिटल माध् यमों के साथ–साथ परिवार के बुजुर्गों का सम्मान करने, माता–पिता की सेवा करने और पारिवारिक जिम्मेदारियों को समझने की सीख भी दी जानी चाहिए। उन्होंने भारतीय संस्कृति में परिवार, संस्कार और बड़ों के सम्मान के महत्व को रेखांकित किया।



महीने पहले जेल से छूटकर आया था। गांव में उसकी कई लोगों से रंजिश होने की बात भी सामने आई है। पुलिस घटना की सूचना देने वाले व्यक्ति के मौके से फरार होने के पहलू की भी जांच कर रही है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया के साथ अन्य बिंदुओं पर छानबीन की जा रही है। हत्या के कारणों का पता लगाने के लिए संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है।

सेविका समिति सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ भी काम करती रही हैं। वहीं, अनुपमा राय का राजनीतिक सफर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से शुरू हुआ। उन्होंने वर्ष 2012 में परिषद की सदस्यता ग्रहण की। वर्ष 2013 में आईटी सेल की जिला सह–संयोजक और 2014 में बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ अभियान की जिला संयोजक रहीं। वर्ष 2018 में उन्हें जौनपुर महिला मोर्चा का जिला महामंत्री बनाया गया। वर्ष 2022 में भी उन्होंने जिला महामंत्री का दायित्व निभाया। अब उन्हें मछलीशहर महिला मोर्चा के जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अनुपमा राय ने नियुक्ति पर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार जताते हुए कहा कि एक कार्यकर्ता पर भरोसा जताने के लिए वह नेतृत्व की आभारी हैं। दोनों नियुक्तियों को महिला मोर्चा के संगठनात्मक विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

दुर्गा पूजा पंडालों की झोन से होगी निगरानी, अफवाह फैलाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई - सीओ अतिसंवेदनशील खेतासराय क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की तैयारी

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में दुर्गा पूजा पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की तैयारी शुरू कर दी है। अतिसंवेदनशील खेतासराय क्षेत्र में दुर्गा पूजा पंडालों की निगरानी के लिए विशेष सतर्कता बरती जाएगी। शाहगंज की डिटी एसपी प्रतिमा वर्मा पंडालों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेंगी। वहीं, भीड़भाड़ वाले इलाकों में निगरानी के लिए ज़ेन का इस्तेमाल किया जाएगा। पुलिस प्रशासन का विशेष जोर भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था और



कानून-व्यवस्था बनाए रखने पर रहेगा। त्योहार के दौरान पंडालों में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिसकर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए जाएंगे। पूजा

समितियों के साथ समन्वय स्थापित कर सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा की जाएगी, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो और पूजा आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। पुलिस ने सोशल मीडिया सहित अन्य माध्यमों से अफवाह फैलाकर माहौल बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। लोगों से अपील की गई है कि किसी भी अप्रुप्त सूचना पर विश्वास न करें और न ही उसे आगे प्रसारित करें। क्षेत्र में किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। पुलिस प्रशासन ने आमजन से त्योहार के दौरान आपसी सौहार्द बनाए रखने और शांति व्यवस्था कायम रखने में सहयोग की अपील की है।

प्रभारी निरीक्षक थाना पूराकलंदर अश्वनी पाण्डेय ने शांति कमेट्री बैठक मे दिये पदाधिकारियों व डीजे संचालकों को निर्देश



(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर) अयोध्या।आगामी दुर्गा पूजा एवं दशहरा पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए सोमवार को थाना पूराकलंदर परिसर में बैठक आयोजित की गई। इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक जिससे सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो। कहा कि पूजा पंडालों एवं आयोजन स्थलों पर सुरक्षा के आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करें तथा भीड़ प्रबंधन पर बैठक में डीजे संचालक शासन द्वारा

निर्धारित ध्वनि सीमा का पालन करने का दिया।कहा कि निर्धारित समय और नियमों के अनुसार ही डीजे बजाएं तथा ध्वनि प्रदूषण से बचें।शांति एवं सौहार्द बनाए रखें।त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार का विवाद, तनाव या ऐसा कृत्य न होने दें, जिससे सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो।कहा कि पूजा पंडालों एवं आयोजन स्थलों पर सुरक्षा के आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करें तथा भीड़ प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें।नियमों के अनुसार

शहर मे कई क्षेत्रों मे दुर्गा पूजा शुरु होने के बाद भी शहर के पंडालों में मिशन शक्ति अभियान नदारद जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहा मिशन शक्ति जागरूकता अभियान



(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) अयोध्या।जिले मे दुर्गा पूजा व रामलीला के दौरान मिशन शक्ति अभियान

के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में मिशन शक्ति की टीमें पंडालों और रामलीला स्थलों पर पहुंचकर पंपलेट व पोस्टर के माध् यम से जागरूकता फैला रही हैं।वहींअयोध्

’मिशन शक्ति6.0 के अन्तर्गत कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय सुरसा की कक्षा 8 की छात्रा ज्योति को एक दिन के लिये जिलाधिकारी’



‘रिपोर्ट—जनार्दन श्रीवास्तव’ ‘हरदोई’ मंगलवार को मिशन शक्ति के तहत कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की कक्षा 8 की छात्रा एक दिन

की जिलाधिकारी बनी ज्योति को प्रतीकात्मक जिम्मेदारी निभाने का अवसर प्रदान किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी राहुल के पण्डेय ने छात्रा ज्योति को

प्रशासनिक कार्य प्रणाली, कार्यालयी दायित्वों शिकायतों के निस्तारण आदि के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान की, साथ ही जन सुनवाई के दौरान छात्रा ज्योति ने जनता की शिकायतों जनसमस्याओं को सुनकर समाधान कर प्रशासनिक व्यवहारिक अनुभव प्राप्त किया।

इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रभात मिश्रा सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

मिशन शक्ति के तहत कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय सुरसा की छात्रा वंशिका बनीं एक दिन की मुख्य विकास अधिकारी

मिशन शक्ति विशेष अभियान के अंतर्गत कस्तूरबा गांधी

दिव्यांग बच्चों व उनके अभिभावकों का वार्षिक सम्मेलन सम्पन्न

अयोध्या।दा लेप्रोसी मिशन के सभागार में आयोजित किया गया।जिसमें मुख्य अतिथि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मसौधा के अधीक्षक डॉ प्रदीप कुमार भी थे अधीक्षक द्वारा बताया गया की दिशा संख्या को कार्यों की सराहना करते हुए दिव्यांग बच्चों के साथ कार्य करना आसान नहीं उनके संकेत में भावनाओं को समझना पड़ता है अपने स्वास्थ्य विभाग की तरफ से वादा किया है कि हमारे लायक जो सहयोग होगा वह करेंगे कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक कोडीनेटर राजा राम द्वारा कृष्ण कुमार सी बी आई डी समनवयक दिशा बस्ती के द्वारा दिव्यांग के प्रकार कारण बचाव व दैनिक जीवन की गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया है दा लिप्रोसी मिशन के प्रधानाचार्य द्वारा बताया



गया कि हमें ऐसे बच्चों की खोज पहचान और उनकी समस्या का निदान समय से करना चाहिए. अतिथियों का स्वागत दिशा संस्था के सुगम कर्ता मीरा एवं रीता जी द्वारा किया गया.आज की कार्यक्रम

की व्यवस्था परियोजना प्रभारी अजीम खान सर सुगम कर्ता शाहनूर बानो द्वारा किया गया।इस अवसर पर यूनिसेफ के पूर्व ब्लॉक कोऑर्डिनेटर धीरेन्द्र नाथ पाण्डेय द्वारा आए हुए मेहमानों का धन्यवाद किया।

मिशन शक्ति अभियान के तहत कक्षा सात की छात्रा बनी महिला थाना प्रभारी

अयोध्या।शारदीय नवरात्रि के अवसर पर मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत मंगलवार को महिला थाना में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस मौके पर महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने कक्षा सात की छात्रा श्रद्धा को महिला थाना प्रभारी बनाया।इस मौके पर छात्रा श्रद्धा ने थाने पर आने वाले फरियादियों की समस्याएं सुनीं और उनके यथासंभव निराकरण का प्रयास किया। इस मौके पर महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को पुलिस की कार्य प्रणाली से परिचित कराने के साथ महिला सुरक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूक करना रहा।पूर्व माध्यमिक विद्यालय समहाकला, पूरा अयोध्या की शिक्षिका डॉ. अनामिका मिश्रा के नेतृत्व में पहुंचे विद्यार्थियों को थाने की कार्यप्रणाली से अवगत कराया



गया।महिला थाना प्रभारी ने पुलिसकर्मियों के साथ विद्यार्थियों को महिला सुरक्षा,बाल संरक्षण और शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।इस दौरान वूमन पावर लाइन 1090, चारुड्ड हेल्पलाइन 1098,मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076,

महिला हेल्पलाइन 181, आपातकालीन सेवा 112 और साइबर हेल्पलाइन 1930 के बारे में बताया गया। साथ ही मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, विधवा पेंशन योजना और मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की जानकारी देकर जागरूक किया गया।

हैदरगंज थाना क्षेत्र में बुवार से पीड़ित अंशिका की मौत



(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर) अयोध्या।जिले के हैदरगंज थाना क्षेत्र में बुखार से 16 साल की अंशिका की मौत हो गई।वह पिछले 10 दिनों से बीमार थी।उसका इलाज कई

अस्पतालों में चला, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका।13 अक्टूबर 2026 को रात 11 बजे अयोध्या के गतिमान हॉस्पिटल में उसने दम तोड़ दिया।मिली जानकारी के

मुताबिक अंशिका को पहले बुखार आया, फिर उसके प्लेटलेट्स तेजी से कम होने लगे।शुरुआत में हैदरगंज के स्थानीय बाजार में इलाज चला।उसकी हालत बिगड़ने पर उसे सीएचसी रमवा कला हैदरगंज ले जाया गया, जहां से उसे मंडलीय चिकित्सालय दर्शन नगर रेफर कर दिया गया।परिवार ने अंशिका को अयोध्या के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया।वहां आराम न मिलने पर दूसरे प्राइवेट अस्पताल ले गए।जहां दो यूनिट प्लेटलेट्स चढ़ाने के बाद संख्या 55,000 हो गई।डॉक्टरों ने उसे खतरे से बाहर बताया, लेकिन कुछ देर बाद उसकी बीपी बढ़ने लगी और उसकी मौत हो गई।लोगों के मुताबिक अंशिका अपने माता-पिता की इकलौती बेटी थी।

सहादतगंज ओवरब्रिज पर दो बाइकों में भिड़ंत मे तीन घायल

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर) अयोध्या।लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर कैंट थाना के सहादतगंज पुलिस चौकी के पास ओवरब्रिज पर दो बाइकों की टक्कर में तीन लोग घायल हो गए।घायलों में एक की हालत गंभीर होने पर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।अन्य दो घायलों का जिला चिकित्सालय में उपचार चल रहा है।जानकारी के मुताबिक, बाराबंकी जिले के टिकैतनगर थाना क्षेत्र के बलखड़ा निवासी राजकरण (35) पुत्र भवानी, राजेश (45) पुत्र रत्न और पवन (18) पुत्र परशुराम बाइक से अयोध्या मेला देखने आ रहे थे। इसी दौरान सहादतगंज ओवरब्रिज पर उनकी बाइक की दूसरी बाइक से टक्कर हो गई, जिससे तीनों घायल हो गए।हादसे के बाद 108 एंबुलेंस के माध्यम से घायलों को दोपहर 2रु40 बजे जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया।इमरजेंसी में तैनात डॉ. नवीन तिवारी ने राजकरण की गंभीर हालत को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। जबकि अन्य दो घायलों का अस्पताल में उपचार हो रहा है।

दुर्गा पूजा व दशहरा के दौरान अयोध्या में शाम चार बजे से यातायात डायवर्जन कई मार्गों पर प्रतिबंध

अयोध्या।शारदीय नवरात्रि दुर्गापूजा की सप्तमी, अष्टमी और नवमी व दशहरा पर आयोजित होने वाले मेले के तहत अयोध्या शहर में यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। यातायात पुलिस के अनुसार, 17, 18 और 19 अक्टूबर को प्रतिदिन शाम चार बजे से मेला समाप्ति तक डायवर्जन लागू रहेगा।इस दौरान कई प्रमुख मार्गों पर वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।जबकि वैकल्पिक मार्गों से आवागमन कराया जाएगा।यातायात पुलिस के मुताबिक रिकाबगंज, गुडड़ी और शीडगंज चौराहे से चौक घंटाघर की ओर वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। इन मार्गों से आने वाले वाहन निर्धारित वैकल्पिक रास्तों से अपने गंतव्य तक जाएंगे। फतेहगंज चौराहे से चौक घंटाघर जाने वाले वाहनों को जीआईसी ओवरब्रिज से होकर जाना होगा।व्यावसायिक वाहनों में ऑटो, टैप्पो और ई-रिक्शा का बेनीगंज तिराहे से गुडड़ी चौराहे की ओर प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।ये वाहन बेनीगंज चौराहे से देवकाली मार्ग होकर जाएंगे।इसी तरह शांति चौक, नवीन मंडी चौराहा और पहाड़गंज तिराहे से अग्रसेन तिराहे की ओर जाने वाले वाहनों को एनएच-27 से निकाला जाएगा। सिंधी कॉलोनी चौराहे से रामनगर तिराहा तथा रामनगर तिराहे और जनेश्वर मोड़ से नाका हनुमानगढ़ी की ओर वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। इन मार्गों पर वाहन निर्धारित परिक्रमा मार्ग से अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे। जीआईसी ओवरब्रिज तिराहे से मकबरा और जीआईसी गेट के सामने फतेहगंज ओवरब्रिज सर्विस लेन से फतेहगंज की ओर भी यातायात प्रतिबंधित रहेगा। इन मार्गों के लिए वैकल्पिक रास्ते निर्धारित किए गए हैं। यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि रिकाबगंज चौराहे से कसाबबाड़ा होते हुए फतेहगंज की ओर केवल एम्बुलेंस और मरीजों से जुड़े वाहनों को जाने की अनुमति होगी। अन्य वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।वहीं यातायात पुलिस ने श्रद्धालुओं और आम नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित डायवर्जन मार्गों का पालन करें और सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

दुर्गा पूजा के दौरान माँ के जयकारों से भत्तमय हुई रामनगरी

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर) अयोध्या।नवरात्रि के प्रथम दिन से शैलपुत्री के आगमन होते ही मां दुर्गा की प्रतिमाएं संपूर्ण नवरात्रि के लिए स्थापित हुईं।उन सभी स्थानों पर श्रद्धालुओं के लिए मां के दर्शन हेतु पंडालों के पट खोल दिए गए हैं और



उसी के साथ संपूर्ण जिले में एक भक्तिमय वातावरण चहुंदिश विराजमान हो चुका है।मालूम हो कि इस उत्सव के दौरान मुख्य मार्ग जो चौक घंटाघर से लेकर बगौजा, फतेहगंज , गणेश नगर मकबरा होते हुए नाका हनुमानगढ़ी तक जो सीवर लाइन हेतु जो खुदाई की गई है काफी क्षतिग्रस्त है। यदि शीघ्र ही यह चलने लायक नहीं दिखाई दे रही है। नवरात्रि के प्रथम दिन से ही श्रद्धालुओं की भीड़ प्रत्येक देवी मंदिर पर उमड़ रही है।

झोन का ब्रेन होता है फ्लाइट कंट्रोलर - किरण वालिया

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय और सी-डैक, नोएडा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय ‘स्वयान’ बूटकैंप के दूसरे दिन मंगलवार को विद्यार्थियों को झोन तकनीक, सेंसर और उसके विभिन्न घटकों की कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई। इस दौरान विशेषज्ञों ने तकनीकी सत्रों के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण देकर विद्यार्थियों को झोन के कंपोनेंट्स असेंबल करने के गुर सिखाए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित बूटकैंप का विषय ‘मानवरहित विमान प्रणाली, सेंसर और उनके उपयोग’ है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को उभरती तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने के साथ उनमें तकनीकी कौशल, नवाचार और अनुसंधान के प्रति रुचि विकसित करना है। तकनीकी सत्र में सी-डैक, नोएडा की प्रोजेक्ट इंजीनियर किरण वालिया ने झोन के प्रमुख घटकों और विभिन्न इंटीग्रेटेड सर्किट (आईसी) की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि फ्लाइट कंट्रोलर झोन का ब्रेन होता है। किसी भी इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट का उपयोग करने से पहले उसकी डेटा शीट और तकनीकी विशेषताओं को समझना जरूरी है। उन्होंने ‘मिशन प्लानर’ सॉफ्टवेयर के माध्यम से झोन कैलिब्रेशन की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया। इसके बाद सी-डैक की प्रोजेक्ट इंजीनियर ईशा गुप्ता ने विद्यार्थियों को पीआईडी कंट्रोलर की कार्यप्रणाली समझाई। उन्होंने बताया कि यह झोन को संतुलित रखने और उसकी उड़ान को स्थिर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग की कन्सुलिकेशन लैब में आयोजित व्यावहारिक सत्र में विद्यार्थियों ने झोन के विभिन्न कंपोनेंट्स को आपस में जोड़ने और असेंबल करने का अभ्यास किया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक	देश की उपासना
स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।	
सम्पादक	
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव	
मो0 – 7007415808, 9415034002	
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com	
समाचार-पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।	